केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १ मार्च, २००९ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २००९ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → गुण : १ ☐ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (७)	
	४ (५)	
	५ (६)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (६)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''मैं संसार में रहना नहीं चाहती, मुझे केवल आपकी भक्ति ही करनी है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मूर्ख ! छः महीने तक तो यह तेरे यहाँ ही पड़ी रही । तेरा भाग्य ।''

३. ''महाराज की इच्छा के बगैर मैं कुछ भी नहीं कर सकता, महाराज नाराज़ हो जायेंगे ।''

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(४)**

१. प्रबोधिनी एकादशी का सत्संग में बहुत महत्त्व है ।

.....

.....

.....

.....

२. सगराम ने इनाम नहीं लिया ।

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>सात</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । **(७)**

विषय : जालमसिंह बापू ।

१. बापु तुरन्त घोड़ी पर सवार होकर गढड़ा की ओर चल पड़े । **२.** लेकिन महाराज ! इससे हमको क्या लाभ ? **३.** बापू बहुत जल्दी तावी पहुँचना चाहते थे । **४.** अभी मैं अपने गाँव से अच्छा नाई ले आऊँ । **५.** जाओ, तुम्हारे गाँव में यमदूत नहीं आयेगें । **६.** अपने इष्टदेव के लिए क्या नहीं हो सकता ? **७.** केशाबा ! क्या कर रही हैं ? **८.** इतने में ब्रह्मानन्द स्वामी भी वहाँ आकर खड़े हो गये । **९.** महाराज ने पीपल के नीचे बैठकर क्षौर करवाया । **१०.** जालमसिंह बापू देवलिया गाँव के निवासी थे । **११.** बापू नाई को घोड़े पर बिठाकर ले आये । **१२.** अकेले महाराज ने डोली तालाब में स्नान किया ।

केवल क्रमांक - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. आत्मानन्द स्वामी कहाँ रहते थे ?

.....

.....

२. शीतलदास ने क्या संकल्प किया, तब उनके अनंत रुप हुए ?

३. सभा में महाराज ने किसका स्वागत किया ?

४. गुरु जीव को कौन सा दीक्षामंत्र देते हैं ?

५. नानीबा ने महाराज को कौन सा (क्या) भोजन करवाया ?

प्र. ५ सूचना अनुसार उत्तर दीजिए । **(६)**

'करोड़ रुपये खर्च करने पर.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. विश्वेशभक्तिं .....

..... नमामि ।

२. श्रद्धावान् लभते ..... गच्छति ।

३. हमने है यज्ञ ..... शर्म किस के लिए । (शौ.गी.)

४. ''न ह्यम्मयानि ..... दर्शनादेव साधवः।।'' – इस श्लोक का अनुवाद कीजिए ।

विभाग – २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''हजारों विद्यार्थी यहाँ पर विद्या का उपार्जन करेंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''हमारे नकशे के अनुसार वह मूर्तियाँ बनवायेगा ।''

३. ''आधी रात को इस अंधेरे में तुम अकेले यहाँ आये ! क्या तुम्हें डर नहीं लगा ?''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(४)**

१. इस कलियुग में ऐसे सन्त कहाँ हैं ।

.....

.....

.....

.....

२. गोरधनभाई कोठारी की बात सुनकर खुशाल भगत चले गये ।

प्र. ९ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

१. भगतजी : परम एकान्तिक सत्पुरुष । २. सद्‌गुरु की खोज में । ३. अक्षरधाम का द्वार ।

( ) १. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. हीराभाई जब सत्संगी हुए तब गोरधनभाई ने क्या कहा ?

.....

.....

२. भावनगर राज्य का प्रस्ताव सुनकर स्वामीश्री ने क्या कहा ?
३. भगतजी महाराज ने नारायणचरणदास को क्या कहा ?
४. मोतीभाई ने किसलिए स्वामीश्री के दोनों हाथों पर तेल लगाया ?
५. स्वामी ज्ञानजीवनदासजी जूनागढ़ मन्दिर के भंडार में से अपने साथ क्या ले आए ?
६. केशवजीवनदासस्वामी ने स्वामीश्री को क्या प्रतिष्ठित करवाने के लिए कहा ?

प्र.११ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(६)**

१. स्वामीश्री के पत्तल में कातिल विष युक्त मूँग परोसे गये। ☐

.....

२. जीभाई कोठारी ने जागा भक्त के लिए मना कर दी थी ।
३. शास्त्रीजी महाराज ने मोतीभाई को स्वर्णकलशों से युक्त तीन शिखरों का एक भव्य मन्दिर दिखाया ।
४. चिठ्ठी लेकर आये हुए डुंगर भक्त का वड़ताल में विज्ञानदास स्वामी से मिलाप हुआ ।
५. शास्त्रीमहाराज ने जन्माष्टमी का उत्सव अटलादरा में मनाने का निश्चय किया ।
६. भविष्य में आपके शिष्य आपकी सुवर्णमयी मूर्ति की प्रतिष्ठा करें, ऐसा सद्‌गुरु बालमुकुन्ददास स्वामी ने कहा था ।

प्र.१२ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(६)**

१. यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी का ..... मन्दिर में सम्मान करवाया ।
२. सारंगपुर मन्दिर की मूर्ति प्रतिष्ठा में ..... मन वजन का हलुवा बनवाया गया था ।
३. वड़ताल में चैत्र पूर्णिमा की सभा में ..... ने अक्षरपुरुषोतम का जयघोष किया ।
४. ..... ने श्रीजीमहाराज के मुख से सुना है की वे सर्वोपरी भगवान हैं ।
५. स्वामीश्री की ..... जयन्ती बोचासण में मनायी ।
६. स्वामीश्री वड़ताल मन्दिर में ..... दरवाजे से बाहर निकल गये ।